भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3559

उत्तर देने की तारीख : 24.03.2022

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम

3559. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानी:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) चालू वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पी.एम.जे.वी.के.) के तहत परियोजना के लिए स्वीकृत निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान योजना के तहत केरल में मंजूर की गई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का इस योजना के तहत और परियोजनाएं शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री मुख्तार अब्बास नकवी)

(क) प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे देश के 1300 अभिज्ञात अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों (एमसीए) में मई, 2018 से पुनर्गठित और कार्यान्वित किया गया था जिसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक आधारभूत संरचना संपत्ति और मूलभूत सुविधाएं विकसित करना है। पीएमजेवीके के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को मई, 2018 से मूल रूप से 90 जिलों से बढ़ाकर 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 308 जिलों तक कर दिया गया था। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 870 अल्पसंख्यक बहुल ब्लॉक (एमसीबी), 321 अल्पसंख्यक बहुल शहर (एमसीटी) और पहली बार जोड़े गए 109 अल्पसंख्यक बहुल जिला मुख्यालय (एमसीडी मुख्यालय) शामिल हैं। इस योजना को अब 2022-23 से लागू करने के लिए सभी आकांक्षी जिलों सहित देश के सभी जिलों में संशोधित किया गया है।

चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 2226.46 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

(ख) केरल में PMJVK के तहत शामिल क्षेत्रों को मूल रूप से दो जिलों से बढ़ाकर 13 जिलों तक कर दिया गया था जिसमें 23 ब्लॉक, 43 शहर तथा 07 जिला मुख्यालय शामिल हैं। वर्ष 2022-23 से कार्यान्वयन हेतु योजना के पुन: संशोधन में केरल के सभी जिले शामिल हैं।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान केरल राज्य में PMJVK के तहत 198.32 करोड़ रुपये की कुल 70 परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया हैं। स्वीकृत परियोजना में 2-अतिरिक्त क्लास रूम (एसीआर), 10-सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी), 01-हॉस्टल, 02-हुनर हब, 10-स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाएं, 01-आईटीआई, 02-मार्केट शेड, 01- सद्भाव मंडप, 17-शौचालय, 14-स्कूल भवन, 03-कौशल केंद्र, 03-स्मार्ट क्लास रूम, 03-कामकाजी महिला छात्रावास और 01-सेमिनार हॉल शामिल हैं। इसमें 2021-22 के दौरान 19 करोड़ रुपये की 129.93 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाएं भी शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत प्रमुख परियोजनाओं में नीलंबूर, मलप्पुरम में 7.92 करोड़ रुपये की लागत से कौशल विकास केंद्र का निर्माण, नीलंबूर, मलप्पुरम में 9.97 करोड़ रुपये की लागत से लड़कियों के छात्रावास भवन का निर्माण, मलप्पुरम में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के लिए 7 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत केंद्र का निर्माण, तालुक अस्पताल (नया ब्लॉक), मलप्पुरम के लिए 9.72 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत चिकित्सा परिसर का निर्माण और वटाकारा, द्वितीय चरण में 83.18 करोड़ रुपये की लागत से सरकारी जिला अस्पताल का निर्माण किया गया है।

इनके अलावा, केरल राज्य में पीएमजेवीके योजना के तहत कासरगोड स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केरल के लिए 38.22 करोड़ रु. की राशि की 2 छात्रावास, मलप्पुरम में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के ऑफ कैंपस सेंटर के लिए 49.15 करोड़ रू. की राशि की 2 छात्रावास, मलप्पुरम में जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए 0.33 करोड़ रुपये की राशि की 11 स्मार्ट क्लास रूम और वायनाड, कासरगोड, कोट्टायम, अलाप्पुझा, कोल्लम, कन्नूर, कोझीकोड और पालक्काड़ में केन्द्रीय विद्यालय के लिए 7.36 करोड़ रुपये की राशि की 163 स्मार्ट क्लास रूम को स्वीकृत किया गया है।

(ग) पीएमजेवीके के तहत परियोजनाओं को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अभिज्ञात क्षेत्रों की आवश्यकता के अनुसार प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर अनुमोदित किया जाता है। पीएमजेवीके कार्यक्रम का जोर शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिए संसाधनों का कम से कम 80% और महिला केंद्रित परियोजनाओं के लिए कम से कम 33-40% संसाधनों का आवंटन करना है। वर्ष 2022-23 के लिए पीएमजेवीके के लिए 1650 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। संशोधित पीएमजेवीके को सरकार ने 2022-23 से देश के सभी जिलों में लागू करने के लिए मंजूरी दे दी है। केरल के सभी 14 जिले, अलाप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोल्लम, कोट्टायम, कोझीकोड, मलप्पुरम, पालक्काड़, पत्तनमतिट्टा, तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर और वायनाड अब पीएमजेवीके के अंतर्गत आते हैं।

*****